प्रश्न-भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा की चुनौतियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 'साइबर सुरक्षा नीति' का निर्माण किया है। इसकी मूल विशेषताओं को बताते हुए स्पष्ट कीजिए कि यह नीति अपने उद्देश्यों में कहाँ तक सफल रही है?
(250 शब्द)

Indian government has made the 'cyber security policy' considering the challenges and necessities of the cyber security. Discussing its basic features, elucidate how for this policy has been successful in achieving its objectives.
(250 Words)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में साइबर सुरक्षा नीति को बताएं।
- अगले पैराग्राफ में साइबर सुरक्षा के समक्ष चुनौतियों को बताएं।
- फिर अगले पैराग्राफ में साइबर सुरक्षा नीति की विशेषताओं तथा उद्देश्यों को बताएं।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डायटी, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा नागरिकों, व्यवसायों और सरकार हेतु सुरक्षित एवं लचीले साइबर स्पेस के निर्माण के लिए राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति, 2013 जारी की गई।

इस नीति की प्रमुख चुनौतियाँ हैं- डेटा समस्या, आई.पी. एड्रेस की समस्या, डिजिटल समस्या: जैसे-कोई भी व्यक्ति किसी संस्था या अन्य कंपनी के डाटा को हैक कर सकता है, भारत में एक्सपर्ट व्यक्तियों का अभाव, जो इस हैकिंग से बचा सकें, वैश्विक नियामक संस्था का अभाव, साइबर स्पेस में जानकारी तथा जानकारी के बुनियादी ढाँचे का संरक्षण, साइबर खतरे की रोकथाम एवं प्रतिउत्तर के लिए क्षमताओं का निर्माण, तथा साइबर खतरों से होने वाली हानियों को कम करना आदि।

प्रमुख विशेषताएँ:-

- सूचना सुरक्षा और अनुपालन में सर्वोत्तम वैश्विक कार्य-पद्धति को अपनाते हुए साइबर सुरक्षा पुख्ता करने के लिए।
- आई.टी. सुरक्षा उत्पाद मूल्यांकन के लिए परीक्षण के बुनियादी ढाँचे एवं सुविधाओं के निर्माण तथा रख-रखाव और वैश्विक मानकों एवं कार्य प्रणाली के अनुसार सत्यापन करना।
- सार्वजनिक निजी भागीदारी व्यवस्था के अंतर्गत देश भर में साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के बुनियादी ढाँचे की स्थापना।
- कानून प्रवर्तन एजेंसियों में क्षमता निर्माण के लिए संस्थागत तंत्र की स्थापना।
- साइबर स्पेस की सुरक्षा पर एक व्यापक राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत एवं उन्नति।
- अन्य देशों के साथ साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय संबंधों को विकसित करने के लिए।

साइबर स्पेस के क्षेत्र में होने वाले नवाचारों पर ध्यान नहीं दिया गया है: जैसे-क्लाउड कम्प्यूटिंग जैसे विषय उपेक्षित रह गए हैं। लोगों के मध्य ई-साक्षरता, ई- जागरूकता का पर्याप्त अभाव है। इसे प्रोत्साहित किए बिना साइबर सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा सकते हैं, जबकि इस दिशा में कोई प्रभावी रणनीति निर्मित नहीं की गई है। साइबर सुरक्षा नीति प्रगतिशील होनी चाहिए, समय-समय पर उसकी समीक्षा और अद्यतन (Updation) होना चाहिए, अर्थात् किन्तु 5 वर्ष बीत जाने के बाद इस पर कोई कदम नहीं उठाया गया है। साइबर स्पेस को सक्षम बनाने के कई विषय उपेक्षित रह गए हैं।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।